

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - २

रविवार, ६ मार्च, २०११

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ५

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण → गुण : १ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखे गए उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गिनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID**.
6. Marks for Question → 1 Mark ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “तुम्हारी बुआ तो नरक में गई है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “साधु तो हमारे पिता हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “मैं बारह वर्ष तक गुरु और सद्गुरु रहा, किन्तु सच्चा सत्संगी तो केवल आज ही बना ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक 

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. राजबाई की चिता पर अग्नि प्रज्वलित नहीं हुई ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. गुंदाली गाँव के काठी भाइयों का मुक्तानन्द स्वामी जैसा कल्याण हुआ ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

३. सर एन्ड्रु डनलप ने अहमदाबाद में मन्दिर निर्माण के लिए भूमि दी ।

.....
.....
.....
.....
.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक				केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें
--------------------------------	---	--	---	---

प्र. ३ 'गलुजी' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित पश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. हिमराज शाह किस का भजन किया करते थे ?

गुण : १

२. घनश्यामदास ध्यान कर रहे थे, तब गुणातीतानन्द स्वामी ने क्या कहा ?

गुण : १

३. कुसंग के कौन-से तीन प्रकार हैं ?

गुण : १

४. गोंडल अक्षर-मन्दिर के प्रथम महन्त कौन थे ?

गुण : १

५. शान्ति पाने के लिए श्रीजीमहाराज ने स्वरूपानन्द स्वामी को किस हरिभक्त के पास जाने की आज्ञा दी ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ 'जैसे गाय बछड़े के...' - 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. रे अखंड अलौकिक

..... मन तम संग मोह्यं । गुण : २

२. जरकसीओ जामो

..... मन मारे भावता रे । गुण : २

३. श्रवणं कीर्तनं

..... निवेदनम् ॥ गुण : २

४. “अन्यक्षेत्रे भविष्यति ॥” - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “चरणारविंद का छापा देनेवाले श्रीजीमहाराज को ही मैं इन्हें दे दूँगा ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “उसे सुफल देना तो अभी शेष है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “ये संन्यासी के वस्त्र बन्धनकारी है अतः घर जाओ और सत्संग करो ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. अमईदास कोठारी को धक्का - सा लगा ।

.....
.....
.....
.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. गोपालानन्द स्वामीने प्रागजी भक्त को जूनागढ़ जाने की आज्ञा की ।

.....
.....
.....
.....

.....

गुण : २	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	प्र-९
----------------------------------	-------------	-------

३. पवित्रानन्द स्वामी के मन को चैन नहीं मिला (अशान्ति हुई) ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ 'शिष्य की योग्यता की परीक्षा' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. भगतजी महाराज का जन्म कहाँ और कब हुआ ? (संवत् - तिथि)

गुण : १

२. महुवा में हैजा फैल गया तब भगतजी महाराज ने सबको क्या करने को कहा ?

गुण : १

३. प्रागजी भक्त ने किस से सुना था कि धन और स्त्री में शाश्वत सुख नहीं है ?

गुण : १

४. जूनागढ़ से वनथली जाते समय गुणातीतानन्द स्वामी ने प्रागजी भक्त को गाड़ी में बैठने को कहलवाया तब प्रागजी भक्त क्या बोले ?

गुण : १

५. अमीन झवेरभाई नाथभाई कहाँ के दीवान थे ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।
(कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अन्तिम लीला ।

गुण : २

(१) संवत् १९५४

(२) कार्तिक शुक्ल १३

(३) मुझे गढ़डा ले चलो

(४) घेला नदी के तट पर अग्नि संस्कार

२. कंटकाकीर्ण मार्ग-विरोध का आरम्भ ।

गुण : २

(१) करोड़ सूर्यो का तेज प्रकाशित हो रहा है ।

(२) दोने (दड़िया) बना रहा है ।

(३) शामजी बेचारा थक गया होगा ।

(४) जिनके बहुत जन्मों के संचित पुण्य हैं केवल वे ही पहचान पाएँगे ।

३. साक्षात्कार

गुण : २

(१) मैं स्वामी के वश में हूँ ।

(२) आपने मुझे सुखी किया है ।

(३) साढ़े चार वर्ष तक सेवा की ।

(४) लोग इसे गुरु धारण करेंगे ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **संतत्व की कला** : जिसने यह विद्या सीख ली, वह साधु से दूर नहीं है । ऐसा भक्त अनन्त भक्तों को अपने संकल्पों को दूर करने में सहायता करता है और उन्हें स्वामी से संयुक्त करा देने में समर्थ होता है ।

उ.
.....
..... गुण : १

२. **अहमदावाद में ज्ञान-यज्ञ** : यदि हम साधु का विचार अखण्ड रख सकें, तो हम भी परमानन्द का लाभ कमा सकते हैं । भगवान का अखण्ड विचार करना, एक पल के लिए भी भूलना नहीं चाहिए ।

उ.
.....
..... गुण : १

३. **मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है** : दीवान का चपरासी मुसलमान मुमुक्षु था । वह स्वामी के दर्शन के लिए आया । स्वामी ने उसके मन की बात को जानकर बाइबल में बताए गए पाँच प्रकार के मुक्तपुरुषों के लक्षणों की बातें कहीं ।

उ.
.....
..... गुण : १

४. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा** : रामनवमी के उत्सव के अवसर पर लाखों मुक्त गढ़डा मन्दिर में पधारे । सभामण्डप में चांदनी बंधी हुई थी । उसे देखकर स्वामी को जागा भक्त की याद आ गई ।

उ.
.....
..... गुण : १

५. **गूदड़ी में लाल** : उसे प्रसन्नता देनी तो अभी शेष है । वह तो अनादि मुक्त है । दूसरा तो कोई भी इस तरह से साधना नहीं कर सकता । इस तरह जागा भक्त ने दरबार को दुंगर भक्त की महिमा समझाई ।

उ.
.....
..... गुण : १

६. **अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी के पास** : एक बार दिया हुआ वरदान कोई लौटा सकता है ? मैंने भी प्रागजी को वरदान दिया है, वह वापस नहीं लिया जा सकता । जिसे वरदान देना आता है, उसे उस वरदान देने का सुपात्र बनाना भी आता होगा न ?

उ.
.....
..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें